

This PDF you are browsing now is a digitized copy of rare books and manuscripts from the Jnanayogi Dr. Shrikant Jichkar Knowledge Resource Center Library located in Kavikulaguru Kalidas Sanskrit University Ramtek, Maharashtra.

KKSU University (1997- Present) in Ramtek, Maharashtra is an institution dedicated to the advanced learning of Sanskrit. The University Collection is offered freely to the Community of Scholars with the intent to promote Sanskrit Learning.

Website https://kksu.co.in/

Digitization was executed by NMM

https://www.namami.gov.in/

Sincerely,

Prof. Shrinivasa Varkhedi Hon'ble Vice-Chancellor

Dr. Deepak Kapade Librarian

Digital Uploaded by eGangotri Digital Preservation Trust, New Delhi https://egangotri.wordpress.com/

	M-200
कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय ग्रंथालय हस्तिलिखित संग्रह खल क्र. <u>M2.00</u> विषय <u>प्रज्यानिहार्</u> देताति व <u>श्रिक्सानसमूख्य</u> खक / लिपीकार च <u>०५</u> काळ पूर्ण / अपूर्ण	

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

ति का क्रिक्त मानस हिमजाने :

स्तान च हिक्काम् । नाना रता निम्पणे

म्हामशामाश्र । ने त न्यानि पूर्णे

स्वामशामाश्र । ने त न्यानि पूर्णे

स्वामशामाश्र । ने त न्यानि पूर्णे

स्वामशामाश्र होती व स्थानि पूर्णे

स्वाम होयो देन हथा। नेथे प्राप्त माणे

रवण्ड रता राये ते पाल या पायस माणे

स्वाम स्वाम प्राप्त प्राप्त होती है स्वाम स्वाम

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit
University Ramtek Collection

साली की श्रीकी मार्ग मार्ग स्वर् आणाः अवर्थे म्हर्म प्रमानि निष्योप आण य-जना सिस्य स्मिता है। स्मिता स्थित स्नेन्या १-मिन पद्याः अस्ः।श्निण विश्वासः इन्स मार्थ राजा राजा राजा राजा राजा में कार्य में सन्दर्धित है। देश है। देश है। देश है। नार-धरण नार नास माने था अंगणी मार्गिन में भी मार्गिन भी भारति स्था िया दिल मान दिल ना स्थिम मल हिस्स रका अथ अथ नारा जार आरे महाद न असिए (६) माजान रमम्य द्यारारम्यणम् अन्दान्ध यस्ता विषय्भीत्का द्वामहिष्टारः िन दृशाला वुसा भुउन्त स्वाडन्त स्विन्ति । अन्ह वर क्या नरहा भुता है जा हिना दूरमा-िश्व त्याः श्वाणा पानं देनमा भूतः प्राम्यान न्यम् विध्यम् । अत्यापिभाश्याया स्टान-व्याता निपष्टिया अरहिए व्यह्निया क्रिया क्रिया क्रिया न्य देशकी न्य अराजी ट्रांसी विरोधियार पाकार्थ बसारामी ना राक्षा याम जराल करन्याणी मार्थाभ्य हान स्पर् अ । अ ३ । ध्ये १ न्या अवस्था या प्रातिमारिया ज्या श्रेमार्थ स्नार्थित 07772-20 मार्टील श्रेटाल के महिंदा महिंद मिलिंड का पिरमें मिलिंग रियं है। युक्त ग्रीशिन : | नाम, हुई ना क्या या गरिया दाहिनी मेरिहिनी स्वारी स्वारी स्वारिश रेन्स्टण माणा न्या राष्ट्र गिन्छ । त निम्म दंडें जात रिया न नरिया रिया रिया रिया मिल अर्थिया मार्थ्य स्वार स्वार स्वार्थः जारे विश्वाय गारिहः स्थान विश्वातः ३१२व्या नार रित्र केटल चरल रहः ५८५७ चरानः किरियाला स्थार हिल्लिए निर्ण 是了如何,是父母们一个包括的自

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit
University Ramtek Collection

स्मार-आक्ताम नका जा जा नद् नामा तीयोशिय जाक मका । यो भारता स नको अतम्बनका तीन्ने तप नी नको काछान्य अयमानसी धारा नकी उपराक्षि चांक् नका । ज्यान्याया र-मरण पतान तरती तो द्राष्ट्र सोउ लकी मिश्रा 3 1975 यारका में की में की ताका बार्त काणाणा अम्बिक्या या शास होसी राप्त मार्ड महताला ॥ शा अने प्रमानित होते प्रमानित प्रमानित । विषयां का संभे नापा च्यारी प्रहर गेंद्र ॥ उने ।।॥१॥ आप मंहरिं राज भारति रक्ती संभी के किरा भारति । अन्तर उगार प्रहरां-की वासका आकी एवर वारा ॥ २।। राम क्लो तारा वार्त महन्ता के महन्ता होता। केकोबेदां। राम स्था मर्यूनी स्थानारिता भवरकागा ।। उच्छा अस्ति परमेप्राची किराश्य अरावी उत्तरे जन्मे । नाहीन हिल्हे परमेश्वरामे तं काय राते उत्राज्जाने

CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

```
[OrderDescription]
,CREATED=07.08.19 12:02
,TRANSFERRED=2019/08/07 at 12:04:04
,PAGES=4
,TYPE=STD
,NAME=S0001371
,Book Name=M-200-SHIVMANASPUNAY
,ORDER_TEXT=
,[PAGELIST]
,FILE1=00000001.TIF
,FILE2=00000002.TIF
,FILE3=00000003.TIF
,FILE4=00000004.TIF
```